अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस आयोजन की रिपोर्ट

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा दिनाँक 11 दिसम्बर, 2021 को पश्चिमी हिमालयन समशीतोषण वनस्पति-वाटिका, पॉटरहिल, शिमला में अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, शोधार्थियों, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला एवं सेंट बीड्स कॉलेज, शिमला की छात्राओं एवं अध्यापकों सहित 100 लोगों ने भाग लिया। **डॉ. जगदीश सिंह, वैज्ञानिक-एफ॰, प्रभागाध्यक्ष, विस्तार** प्रभाग ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और कहा कि अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस हर वर्ष 11 दिसम्बर को मनाया जाता है और हर वर्ष अलग अलग थीम होती है। उन्होनें आगे बताया कि इस वर्ष की थीम सतत पर्वतीय पर्यटन (Sustainable Mountain Tourism) है और इस कार्यक्रम में थीम के महत्व पर चर्चा करना तथा जागरूकता लाना है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि **डॉ॰ शेर सिंह सामंत, निदेशक,** हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने मुख्य वक्ता **श्री श्रीनिवास जोशी, भारतीय प्रशासनिक सेवा** (सेवानिवृत) का हिमाचली परम्परा के अनुसार स्वागत किया और कार्यक्रम में आने हेतु तथा संस्थान का आमंत्रण स्वीकार करने करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होनें आशा जताई कि कार्यक्रम से जुड़े सभी लोग लाभान्वित होंगे। डॉ॰ सामंत ने बताया कि पर्वतीय क्षेत्र जैव विविधता के भंडार हैं और यह जीवन और पर्यावरण के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। हिमालयन क्षेत्रों में 10502 पौधों की प्रजातियाँ हैं, जिसमें से लगभग 4000 प्रजातियाँ महत्वपूर्ण हैं। जैव विविधता तथा प्राकृतिक सुंदरता पर्यटन को बढ़ावा देनें में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और कहा कि प्रदेश के शिमला, मनाली एवं धर्मशाला विश्व के प्रमुख पर्यटक स्थलों में से एक है। उन्होंने कहा कि विभिन्न मानव जनित गतिविधियों के कारण जैव विविधता का ह्रास तेजी से हो रहा है तथा ये कारक जलवायु परिवर्तन को बढ़ावा दे रहे हैं।

मुख्य वक्ता **श्री श्रीनिवास जोशी** ने पर्वत एवं पर्वतीय पर्यटन पर व्याख्यान दिया। उन्होने बताया की पर्वत दुनिया की 15% आबादी का घर हैं और दुनिया की लगभग आधी जैव विविधता वाले हॉटस्पॉट पर्वतों मे स्थित है। पर्वत आधी मानवता को दैनिक जीवन के लिए ताजा पानी उपलब्ध कराते हैं। पर्वतीय पर्यटन कोविड-19 महामारी से प्रभावित हुआ जिस कारण इस पर निर्भर लोगों की अर्थव्यवस्था आजीविका पर असर पड़ा। पर्वतों का संरक्षण, विकास के लिए महत्वपूर्ण कारक है और यह सयुंक्त राष्ट्र के सतत विकास के लक्ष्यों का हिस्सा है। पहाड़ों में सतत पर्यटन अतिरिक्त और वैकल्पिक आजीविका विकल्प बनाने और गरीबी

उन्मूलन, सामाजिक समावेश के साथ जैव विविधता संरक्षण को बढ़ावा देने में योगदान दे सकता है। **डॉ. संदीप शर्मा जीसीआर,** ने कहा कि पर्यटन जगह विशेष के अनुसार जगह की पर्यटकों को समाने की क्षमता के आधार पर होना चाहिए। **डॉ. वनीत जिष्टु, वैज्ञानिक** ने कहा कि संस्थान नें हिमाचल प्रदेश वन विभाग की वितीय सहायता से पश्चिमी हिमालयन समशीतोषण वनस्पति-वाटिका, पॉटरहिल, शिमला की स्थापना की है और वाटिक में 120 स्थानीय पौधों की प्रजातियों को एक जगह उगाया है, जिसका मुख्य उद्देश्य वनस्पति सरंक्षण, वनस्पति के बारे में शिक्षा एवं अनुसंधान के साथ साथ पर्यटन को बढ़ावा देना है। उन्होनें आगे बताया कि इस वाटिका में देश-विदेश से शिक्षार्थी, शोधार्थी एवं अन्य पर्यटक समय-समय पर आते हैं और उन्हें एक जगह पश्चिमी हिमालयन समशीतोषण की वन्य पौध प्रजातियाँ देखने को मिलती है। संस्थान के वैज्ञानिक, अधिकारी एवं कर्मचारी पर्यटकों को वन्य पौधों के बारे में जानकारी देते हैं। **डॉ. श्रमजा मंजुल, अध्यापिका,** सेंट बीड्स कॉलेज, शिमला ने बताया कि पर्वतीय क्षेत्रों में सतत पर्यटन आजीविका के अतिरिक्त साधन हो सकता है। उन्होनें कहा कि समशीतोषण वनस्पति-वाटिका, पॉटरहिल, शिमला में आना हमेशा एक सुखद अनुभव होता है यहाँ पेड़ पौधों के बारे में, अध्यापकों एवं छात्र- छात्राओं को बहुत कुछ सीखने को मिलता है। इस अवसर पर शोधार्थियों, छात्र- छात्राओं तथा अन्य उपस्थित लोगों ने सरंक्षण एवं पर्यटन से संबन्धित गाने सुनाये। कार्यक्रम के अंत में **श्रीमती आस्था चौहान** ने मुख्य अतिथि, संस्थान के निदेशक, वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों तथा छात्राओं का कार्यक्रम में शामिल होने के लिए धन्यवाद दिया।

कार्यक्रम की झलकियां

मीडिया कवरेज

दैनिक भास्कर

हिमाचल 13-12-2021

एचएफआरआई ने पॉटरहिल में मनाया अंतरराष्ट्रीय पर्वत दिवस, स्टूडेंट्स को दी पौधों की जानकारी

पॉटरहिल में अंतरराष्ट्रीय पर्वत दिवस पर मौजूद वैज्ञानिक और छात्राएं।

शिमला | हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला द्वारा पश्चिमी हिमालयन समशीतोषण वनस्पति-वाटिका पॉटरहिल शिमला में अंतरराष्ट्रीय पर्वत दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में संस्थान के वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारी एवं सेंट बीड्स कॉलेज की 20 छात्राओं एवं दो अध्यापकों सहित 80 लोग शामिल हुए। वैज्ञानिक डॉ. जगदीश सिंह ने बताया कि इस वर्ष का पर्वत दिवस की थीम सतत पर्वतीय पर्यटन है और इस कार्यक्रम में थीम के महत्व पर चर्चा करना और जागरुकता लाना है। कार्यक्रम के मुख्यातिथि एचएफआरआई के निदेशक डॉ. एसएस सावंत रहे जबकि मुख्य वक्ता सेवानिवृत्त आईएएस श्रीनिवास जोशी रहे। डॉ. सामंत ने बताया कि पर्वतीय क्षेत्र जैव विविधता के भंडार हैं और यह जीवन और पर्यावरण के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इन क्षेत्रों में 10502 पौधों की प्रजातियां हैं।

मुख्य वक्ता श्रीनिवास जोशी ने पर्वत एवं पर्वतीय पर्यटन पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया की पर्वत दुनिया की 15 फीसदी आबादी का घर हैं और दुनिया की लगभग आधी जैव विविधता वाले हॉटस्पॉट पर्वतों मे स्थित है। पर्वत आधी मानवता को दैनिक जीवन के लिए ताजा पानी उपलब्ध कराते हैं। वैज्ञानिक डॉ. वनीत जिष्टु ने कहा कि पॉटरहिल वाटिक में 120 स्थानीय पौधों की प्रजातियों को एक जगह उगाया है, जिसका मुख्य उद्देश्य वनस्पति सरंक्षण, वनस्पति के बारे में शिक्षा एवं अनुसंधान के साथ साथ पर्यटन को बढ़ावा देना है।